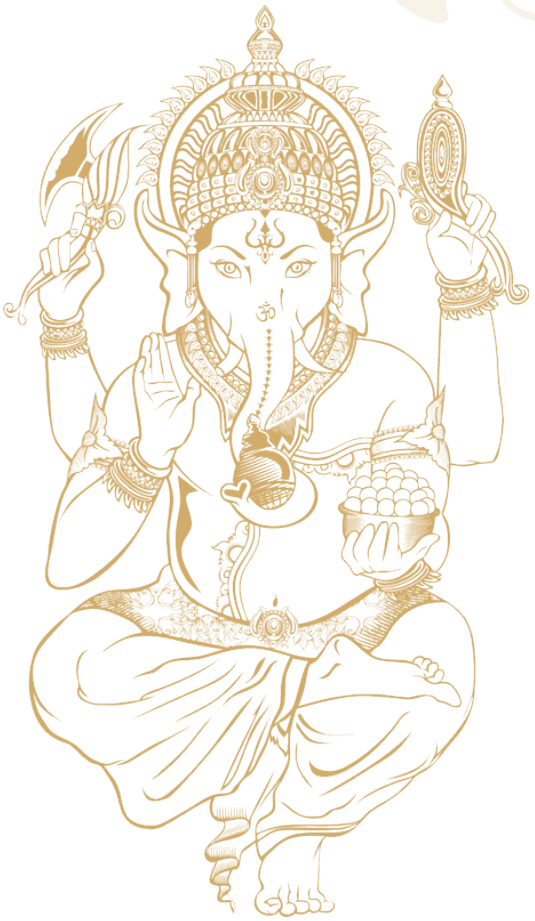

Mr.mohit

Ms.chetna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120764204

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
01/10/2005 :	जन्म तिथि	: 04/06/2008
शनिवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 23:00:00 :	जन्म समय	: 10:30:00 घंटे
घटी 41:44:01 :	जन्म समय(घटी)	: 12:03:55 घटी
India :	देश	: India
Ujjain :	स्थान	: Ujjain
23:11:00 उत्तर :	अक्षांश	: 23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:18:23 :	सूर्योदय	: 05:40:26
18:13:59 :	सूर्यास्त	: 19:09:46
23:56:10 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:58:39

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 9मा 24दि	05:40:40	मिथु	लग्न	कर्क	24:11:51	मंगल 5वर्ष 8मा 29दि
मंगल	14:41:43	कन्या	सूर्य	वृष	19:58:38	राहु
27/07/2023	25:27:19	सिंह	चंद्र	वृष	25:43:18	04/03/2014
27/07/2030	29:26:09	मेष	मंगल	कर्क	20:02:07	03/03/2032
मंगल 23/12/2023	24:59:33	कन्या	बुध व	वृष	25:07:34	राहु 14/11/2016
राहु 10/01/2025	00:47:21	तुला	गुरु व	धनु	27:22:32	गुरु 09/04/2019
गुरु 17/12/2025	29:00:07	तुला	शुक्र	वृष	18:37:36	शनि 13/02/2022
शनि 26/01/2027	15:01:42	कर्क	शनि	सिंह	08:35:26	बुध 02/09/2024
बुध 23/01/2028	19:41:37	मीन व	राहु व	मक	26:54:01	केतु 20/09/2025
केतु 20/06/2028	19:41:37	कन्या व	केतु व	कर्क	26:54:01	शुक्र 20/09/2028
शुक्र 20/08/2029	13:42:10	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	28:28:11	सूर्य 15/08/2029
सूर्य 26/12/2029	21:03:12	मक व	नेप व	कुंभ	00:15:27	चन्द्र 14/02/2031
चन्द्र 27/07/2030	28:07:07	वृश्चि	प्लूटो व	धनु	06:16:30	मंगल 03/03/2032

लग्न-चलित

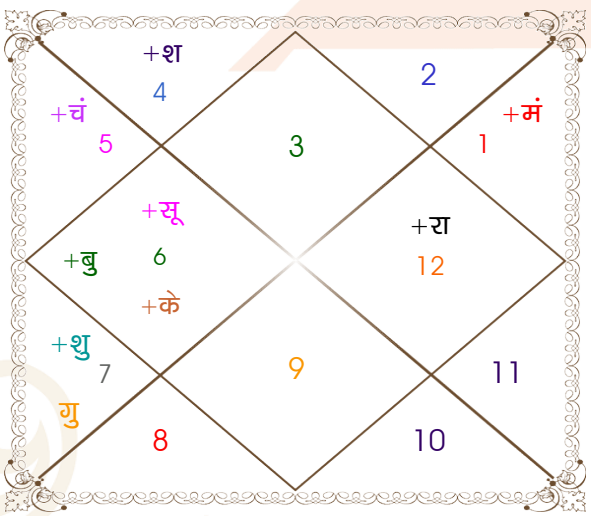

लग्न-चलित

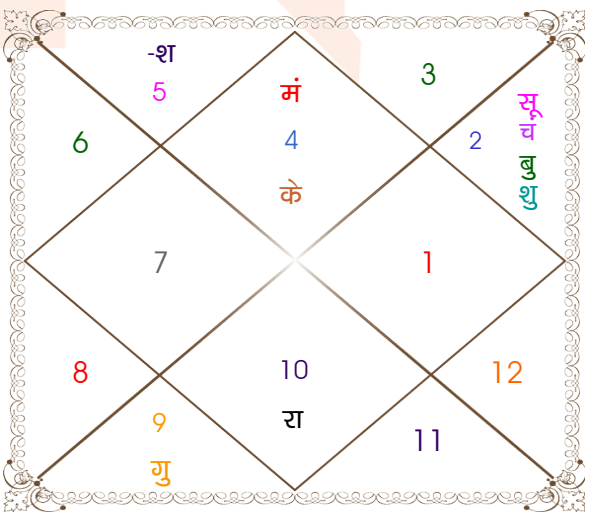

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण्बीमजदं का नक्षत्र मृगशिरा है।

डतण्उवीपज का वर्ग श्वान है तथा डेण्बीमजदं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्उवीपज और डेण्बीमजदं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्उवीपज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण्बीमजदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्बीमजदं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्उवीपज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्उवीपज तथा डेण्बीमजदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।